आत्म साक्षात्कार के राजपथ पर अग्रसर होने का दिव्य अवसर

ॐकार मोक्ष दीक्षा

"तत्वमसि से अहं ब्रह्मास्मि तक की यात्रा का शुभारंभ यानी दीक्षार्थी बनने की दिव्य पल"

हम सब जानते है की प्रत्येक मनुष्य के जीवन का अंतिम लक्ष्य मोक्ष की और है लेकीन मोक्ष तक पहुंचने का सटीक मार्ग हमारे लिए कोन सा है वो हम जानते नही है। प.पू. गुरुदेवने गुरुपूर्णिमा - २०२१ के पावन दिन पर ॐकार मोक्ष दीक्षा की बात कही थी। इस विषय में विशेष जानकारी आज आप सभी के सामने प्रस्तुत करते हुए ह्दय में बहुत ही श्रद्धा एवं आनंद महेसुस हो रहा है।

अपने भारतवर्ष की संस्कृति में युगो-युगो से दीक्षा की महिमा गाई गई है। दीक्षा को सरल अर्थ में परीभाषित करे तो... "दीक्षा का अर्थ एक शपथ, एक संकल्प ऐसा कह सकते है।"

अपने वैदिक ऋषिमुनियोंने दीक्षा संस्कार का आरंभ कीया था । दीक्षा अपनी सनातन सभ्यता है और इसलिए भारतवर्ष की इस पावन भूमि पर अनेक महापुरुषोने दीक्षा ग्रहण की थी एवं मोक्ष के पथ पर चलते हुए गुरु महीमा को भी उस संतोने आगे बढाया था ।

दीक्षा का सरल अर्थ यदी उदाहरण के तौर पर समजने का प्रयास करे तो ऐसा कह सकते है की जैसे एक शिल्पकार के द्वारा बनाई गई पत्थर की मूर्ति को मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा द्वारा प्रस्थापित करके उसे परम तेजोमय, चैतन्य स्वरुप प्रदान कीया जाता है जिससे वो पूजनीय, परम वंदनीय बन जाती है ठीक उसी प्रकार मनुष्य भी इश्वर के द्वारा बनाई गई उत्कृष्ट कृति है । इस मनुष्य देह को दीक्षा से मंत्र-साधना के मार्ग द्वारा परम तेजोमय, दिव्य चैतन्य स्वरुप बनाकर मोक्ष प्राप्ति की ओर प्रस्थान करवाना यही दीक्षा का मूल उद्देश्य है ।

संक्षिप्त में कहे तो, मनुष्यता के उच्च परिमाप में प्रवेश करवाने का आरंभ यानी दीक्षा । जन्म और पूर्नजन्म के चक्र में से मुक्त होकर परमतत्त्व में तल्लीन बनकर परमानंद को प्राप्त करने की पुर्ण प्रक्रिया यानी दीक्षा ।

ज्ञानी संतो के द्वारा कई प्रकार की दीक्षा ही जाती है । पूज्य गुरुदेव द्वारा ॐकार संप्रदाय की प्रणाली अनुसार "ॐकार मोक्ष दीक्षा" दी जाएगी । यह दीक्षा की प्रमुख विशेषता यह है की आप सभी इस संसार में रहते हुए, सांसारीक जीवन को आगे बढाते हुए भी मोक्ष की उपलब्धि को प्राप्त कर पाएंगे । इस कलियुग में भी संसार में रहकर मोक्ष प्राप्ति हो सके ऐसा दिव्य अवसर पूज्य गुरुदेव हम सभी को देने जा रहे है ।

संसार में रहकर ही ॐकार मोक्ष दीक्षा ग्रहण करके हम सभी को मोक्ष के दिव्य राजपथ पर आगे बढाने के लिए पूज्य गुरुदेव प्रतिबद्ध हुए है यह हम सभी के लिए बेहद आनंद और गर्व की बात है।

संसार चक्र में हम सभी एक या दूसरे प्रश्नो से हंमेशा घिरे रहेते है ऐसे में संसार में रहकर ही मोक्ष की ओर प्रस्थान करने की दिव्य घडी पूज्य गुरुदेवने हमें उपलब्ध करवाई है यही हम सभी के लिए जीवन का एक बहुत बडा सौभाग्य एवं दिव्य अवसर है ।

मोक्ष के पथ पर चलकर मानव में से महामानव बनने की ओर अग्रसर होना यही जीवन की उत्कृष्ट घडी है क्योंकी मोक्ष एक ऐसी अवस्था है जहां न वर्तमान की चिंता है न भविष्य की चिंता है, जहां नही होता है जन्म - पूर्नजन्म का भय । केवल और केवल परमानंद को उपलब्ध हो जाने का दिव्य अहसास यानी मोक्ष । हम सभी अपने यही जीवनकाल के दौरान आत्मज्ञान एवं आत्म साक्षात्कार की दिव्य घडी को उपलब्ध हो सके इसके लिए परम पूज्य गुरुदेव प्रतिबद्ध हुए है ।

ॐकार मोक्ष दीक्षा के साधक को पूज्य गुरुदेव द्वारा नीचे दिए गए ज्ञान की उपलब्धि एवं दिव्य शक्तियों की अद्वितीय अनुभूति करवाई जाएगी

(१) प्रत्येक मनुष्य की आत्मा के भीतर एक सुषुप्त शक्ति जन्म से ही होती है। जो भी महापुरुषों ने इस दुनिया में अब तक मनुष्य बनकर जन्म लिया है और मोक्ष प्राप्त कीया है उन सभीने अपनी वो शक्ति जागृत की थी और बाद में उसे मोक्ष की प्राप्ति हुई थी। ॐकार मोक्ष दीक्षा के साधक के भीतर की यह सुषुप्त शक्ति को पूज्य गुरुदेव ॐ की दिव्य चेतना एवं ॐ के दिव्य चैतन्य की ऊर्जा से जागृत कर देंगे।

(२) ॐ के दिव्य चैतन्य की ऊर्जा से पूज्य गुरुदेव ॐकार मोक्ष दीक्षा के साधक के शरीर के सातों चक्रो को जागृत कर के उसके उर्जा केन्द्र को समाधि की ओर प्रस्थान करवाएंगे।

(३) आप अपने जीवन में मोक्ष तक जाने के लिए आपकी आत्मा में रहे मार्ग को प्राप्त कर पाएंगे और आपके यही चर्म चक्षु से मोक्ष तक का मार्ग कीस तरह प्राप्त करना है यह ज्ञान भी आपको खुद को ही हो सके इस तरह से पूज्य गुरुदेव ॐकार मोक्ष दीक्षा के बाद साधना करवाएंगे। जिससे आप अपने इस जीवनकाल के दौरान मोक्ष के दिव्य चैतन्य की अनुभूति कर पाएंगे।

(४) ॐ की दिव्य शक्ति से इस ब्रह्मांड की रचना हुई है। मनुष्य की उत्पति के पीछे भी ॐकार का दिव्य चैतन्य ही है। अपने इस जीवनकाल में आप अपनी ओरा में से ऊर्जायुक्त चैतन्य का एक अंश प्राप्त कर सके, मृत्यु के बाद भी इस धरती पर अपनी सुक्ष्म ऊर्जा से आवा-जाही कर सके और अभी के इस जीवन में भी स्थुल शरीर में से बाहर निकलकर सुक्ष्म शरीर की मदद से ब्रह्मांड में अलग-अलग जगहो पर विहार कर सके ऐसी दिव्य शक्ति पूज्य गुरुदेव ॐकार मोक्ष दीक्षा के सभी साधको को प्रदान करेंगे।

(५) अपके अंदर की सुषुप्त शक्ति जागृत होगी उसके बाद आप अपनी ऊर्जाशक्ति से और जो सुषुप्त शक्ति जागृत हुई उससे आप दुसरे मनुष्य का और खुद के परीजनों का भी भला करने में, उनकी पीडा दूर करने में और उन सभी का कल्याण करने में सहायक बन पाओगे।

(६) प्रत्येक मनुष्य का मोक्ष प्राप्ति का मार्ग विभिन्न होता है। आपका मार्ग कोन सा है और कैसे उस मार्ग पर चलना है उस विषय का पूर्ण मार्गदर्शन एवं ज्ञान पुज्य गुरुदेव ॐकार मोक्ष दीक्षा के बाद देंगे।

(७) पूज्य गुरुदेव आपको भीड़ का हिस्सा नही बनाएंगे बल्कि ऐसे शक्तिशाली महामानव बनाएंगे की आप भी अपनी मोजुदगी में दूसरो को ज्ञान दे सकेंगे ओर अपनी शक्ति के माध्यम से उसे सामर्थ्यवान भी बना सकेंगे।

इस विषय में अधिक जानकारी ॐकार मोक्ष दीक्षा के बाद दी जाएगी।

ॐकार मोक्ष दीक्षा में शामिल होने के लिए जरुरी नियम एवं निर्देश

★ ॐकार मोक्ष दीक्षा के साधक को पूज्य गुरुदेव द्वारा दिए जानेवाले ज्ञान एवं दिशा निर्देश पर चलना होगा । आपकी सुषुप्त शक्ति जागृत करने का कार्य पूज्य गुरुदेव अपनी दिव्य शक्ति से करेंगे ओर इसके लिए ॐकार मोक्ष दीक्षा के साधक को अपने जीवनकाल में "एक ही गुरु" नियम के मुताबिक सद्गुरु ॐऋषि को ही अपने गुरु मानते हुए जीवन में आगे बढना होगा ।

★ पूज्य गुरुदेव ॐकार के दिव्य चैतन्य से ॐकार मोक्ष दीक्षा के साधको को आत्म साक्षात्कार करवाएंगे इसके लिए प्रत्येक साधक को पूर्ण श्रद्धा से तैयार रहेना होगा ।

★ आप अपने इसी जीवन में ॐकार मोक्ष दीक्षा के पथ पर चलने के लिए प्रतिबद्ध हो और अपने इस मनुष्य जीवन को मोक्ष की दीक्षा में यही जन्म में आगे बढाओ यही पूज्य गुरुदेव का हृदय भाव है ।

★ ॐकार मोक्ष दीक्षा की इस प्रक्रिया में शामिल होने के लिए साधक को कुछ भी दान या धन राशि देनी नही है, केवल यहां बताई गई सभी शक्तियों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध होना है ।

पूज्य गुरुदेव का ऐसा मानना है की इस संसार के प्रत्येक मनुष्य को मोक्ष प्राप्ति के लिए साधना के पथ पर अग्रसर होना कै अधिकार है । प्रत्येक मनुष्य को इसका उचित मार्ग मिल जाना चाहिए और यही मार्ग आपको भी मिले इसके लिए परम पूज्य गुरुदेव आपको पूर्ण ज्ञान एवं दिव्य सिद्धि उपलब्ध करवाएंगे ।

ॐकार मोक्ष दीक्षा की प्रक्रिया ५ फरवरी २०२२,
वसंत पंचमी के शुभ दिन से शुरु की जाएगी

यदि आप इस प्रक्रिया में शामिल होना याहते है तो अपना पूरा नाम, पूरा पत्ता और पासपोर्ट साइज की एक फोटो नीचे दिए गए मोबाइल नंबर पर वोट्सअप करे

पंजीकरण की अंतिम तिथि २५ जनवरी २०२२

वोट्सएप नंबर - ८८४९९ ८४०३७

संपर्क सुत्र

ॐकार संप्रदाय शक्तिपीठ आश्रम
सेवा समर्पण फाउन्डेशन
Trust Reg. No. E/18590/Ahmedabad Under 80-G Tax Free (5513/09-10)
००१, ग्राउन्ड फ्लोर, आंगी एपार्टमेन्ट, अन्नपूर्णा पार्टी प्लोट के सामने,
नया विकासगृह रोड, पालडी, अहमदाबाद-३८०००७, गुजरात
E-mail ID : omkarsampraday@gmail.com / info@sadguruomrushi.org
Website : www.sadguruomrushi.org

॥ ॐ नमः ॥